आइस क्यूब डिस्क में मिली टीना-2

“समय बिताने मैं एक पब आइस क्यूब डिस्क में बीयर पी रहा था कि एक हसीन लड़की मिली, फिर उससे बातें शुरू हो गई और आधी रात हो गई, मैं उसे उसके फ़्लैट पर छोड़ने जा रहा था कि रास्ते में... वो नशे में मुझसे प्यार की भीख मांगने लगी। ...”

Story By: tuktuk premi (tuktuk)
Posted: Saturday, May 16th, 2015
Categories: कोई मिल गया
Online version: आइस क्यूब डिस्क में मिली टीना-2

Copyright © Antarvasna part of Indian Porn Empire

आइस क्यूब डिस्क में मिली टीना-2

हम लोग एक्सप्रेस वे पे पहुँचने के बाद धीरे धीरे अपनी मंज़िल की तरफ जा रहे थे। मेरा दिल अब बेईमान होने को कर रहा था, तभी उसने मुझसे बोला कि उसके बॉयफ्रेंड ने उसके धोखा दिया है, उसके साथ कई बार सेक्स किया है पर फिर भी वो उसका ना होकर किसी और के पीछे पड़ा है।

मैंने उसे बोला- तुम उसे छोड़ क्यों नहीं देती ?

तो उसने बात टाल दी। टीना पे नशा सवार हो गया था और वो अब धीरे धीरे मेरे पास आने की कोशिश कर रही थी और मेरे गालों पे और चेहरे पे अपना हाथ फेर रही थी।
मैंने उत्सुकतावश पूछ लिया- क्या दिल बेईमान हो रहा है ?
तो बोली- मुझे प्यार चहिए किसी भी कीमत पे… क्या तुम मुझे प्यार दे सकते हो ?

मैं तो जो चाह रहा था, वही हो रहा था, मैं कुछ नहीं बोला और वो धीरे धीरे मेरे शरीर से खेलने लगी।
कुछ ही पल में टीना मेरे शरीर से एक बेल की तरह लिपट गई अब मेरे अंदर की वासना बाहर आने लगी थी पर गाड़ी चलाते हुए कुछ भी करना संभव नहीं था।
मुझे कुछ नहीं सूझा तो मैंने टीना ने पूछा- क्या गाड़ी में ही मेरा चोदन करने का मन कर रहा है तुम्हारा ?
तो मुझसे वो बोली- मन तो तुम्हारी इज्जत लूटने का है…
मैं उसकी बात सुन कर हंस पड़ा।

रात का टाइम था और रास्ता सुनसान… मुझे थोड़ी उलझन तो हो रही थी पर फिर भी मैंने टीना से पूछा- कहीं और चल सकते हैं ?

तो उसने कहा- फ्लैट पे नहीं जा सकते पर मेरी एक सहेली पास के अपार्टमेंट में रहती है। पर उससे मुझे पहले बात करनी पड़ेगी।
मैं उसे बोला- ठीक है, अगर तुम्हारी सहेली के पास जा सकते हैं तो ज़्यादा ठीक रहेगा।

टीना ने कॉल किया और अपनी सहेली से बात की, उसकी सहेली किसी पार्टी में बाहर थी पर एक काम अच्छा हुआ कि उसकी दोस्त ने अपने फ्लैट की चाबी बाहर फ्लावर पॉट में रखी थी।

हम अगले 15 मिनट में उसकी सहेली के फ्लैट के अंदर थे, अंदर से फ्लैट बहुत आलीशान था, टीना पहले भी इस फ्लैट मैं आ चुकी थी, उसे पूरे फ्लैट के बारे में पता था।
अब हम लोग बेडरूम के अंदर दाखिल हुए, अंदर जाते ही टीना ने मुझे अपने शरीर की गर्मी देना शुरु कर दिया जिससे मैं बहकने लगा और मेरी बाहों ने उसका पूरी तरह से साथ दिया।
अब हम एक दूसरे से बेल की तरह लिपटे हुए थे, टीना ने मेरे लबों पर अपने लब रख कर उनका इस तरीके से चूसा कि मैंने अपने होश खो दिए, मुझे इस समय इस ऐसे आनन्द का अनुभव हो रहा था जो शायद इससे पहले नहीं हुआ था, पर जो भी था अब मैं होश में नहीं था।

टीना के कपड़ों के बारे में आपको बता दूँ, उसने डीप नेक का एक बहुत सेक्सी टॉप और एक स्कर्ट डाली हुई थी जिसमें उसकी जांघें एकदम दूध की तरह चमक रही थी, उसकी कमर का नीचे का भाग एकदम टॉप और स्कर्ट के बीच ऐसे चमक रहा था जैसे चंद्रमा किसी काले बादल के बीच से निकलने की कोशिश कर रहा हो।

अब मेरे होंट और टीना के होंट एक दूसरे से ऐसे चिपके हुए थे कि जैसे कितने जन्मों के प्यासे दो शरीर एक दूसरे में खो जाने को बेताब हैं।
टीना की हालत काफ़ी खराब लग रही थी, उसे ऐसे में देखकर मेरा भी मन उसमें खो जाने

का कर रहा था।
टीना के हाथ अब मेरी टी शर्ट के अंदर थे और वो मेरे सीने पर धीरे धीरे हाथ फिरा रही थी, मुझे अच्छा लग रहा था, मेरा हाथ भी उसकी कमर से थोड़ा थोड़ा ऊपर सरकने लगा था।

पहली बार मेरा हाथ उसके बूब्स पर टच हुआ, उसे एक करेंट सा लगा और वो कस के मुझे अपनी बाहों में जकड़ने लगी।
इधर मेरा दूसरा हाथ टीना के उभरे हुए चूतड़ों पर था जो अभी तक अनछुए लग रहे थे, इतने मुलायम कि जैसे गुंथा हुआ आटा हो। तभी टीना ने मेरे सीने से अपने हाथ मेरी जांघों पे रख दिए, वो कुछ खोजना चाह रही थी और एक पल में उसने मेरे लंड को अपना शिकार बना लिया।

वो धीरे धीरे मेरे लंड को सहलाने लगी, उसने मेरी ज़िप खोल ली और अंदर हाथ डाल दिया।
मुझे एक नशा सा होने लगा था।
फिर टीना ने मेरी पैंट निकालने की कोशिश की जिसमें वो नाकाम रही, मेरी बेल्ट बहुत टाइट थी, मैंने उसकी मदद की और अब मैं उसके सामने केवल अंडरवीयर में खड़ा था, वो मस्त होकर अपनी कमर मेरे लंड से टच कर रही थी, अगर उसका बस चलता तो वो अंडरवीयर समेत मेरे लंड को अपने अंदर डाल लेती।

इसी बीच मैंने उसका टॉप धीरे धीरे ऊपर उठना शुरु किया जिसमें उसने मेरी पूरी हेल्प की। अब वो ऊपर से और मैं नीचे से केवल इन्नर वीयर में थे।

टीना ने मुझे बेड पे खींच के अपने ऊपर लिटा लिया, मेरा लंड उसके स्कर्ट के ऊपर से उसकी चूत पर रगड़ा मार रहा था।
मैंने अब टीना की ब्रा के ऊपर से उसके बूब्स को पीना शुरु किया और वो मचल उठी, मैंने रक कोशिश की और अब उसकी ब्रा मेरे हाथ में थी जिसे मैंने साइड वाली टेबल पे रख

दिया।

उसका बदन किसी चाँदी की मूर्ति की तरह चमक रहा था… मैंने एक निप्पल होंठों में लिया और दूसरे को अपनी उंगलियों में दबा कर उसे प्यार करने लगा।
टीना को मानो एक करेंट सा लगा और उसने मेरे बाल पकड़ कर नीचे धक्का किया, मानो बोल रही थी- पूरे चबा जाओ!
अब धीरे धीरे मैं बूब्स से नीचे आने लगा।

अभी भी टीना ने एक बहुत प्यारे टेक्सचर की पेंटी पहनी हुई थी जिस पर रेड रोज प्रिण्टेड थे। मैंने टीना की कमर नाभि और जाँघों पे किस किया, वो मचल उठी। अब बारी उसकी ब्रा की थी, मेरे होंठ अब पेंटी के ऊपर उसकी चूत को तलाश रहे थे।

मैंने पहला किस उसकी चूत पे दिया तो उसने मेरा सिर पकड़ के चूत पे रगड़ दिया, मानो बोल रही हो कि ‘खा जाओ!’

फिर मैंने उसकी पेंटी थोड़ी नीचे सरकाई, टीना की चूत एकदम साफ और गुलाबी रंग की थी, जिस पर हल्के हल्के बाल थे।
मैंने अपनी जीभ उसकी चूत के ऊपर फिराना शुरु किया तो वो मचल पड़ी और उसने अपने पैर इस तरह मोड़ लिए मानो मुझे इन्विटेशन दे रही है कि मैं अपनी पूरी जीभ अंदर तक डाल दूँ।
मैंने भी ऐसा ही किया और जहाँ तक संभव था, अपनी जीभ चूत में डाल दी, वो किसी दूसरे जहाँ में चली गई थी।

अब मेरा लंड मेरे कंट्रोल में नहीं था इसलिए अब जल्दी से जल्दी उसे भी सही जगह पहुँचाना मेरा काम था।
हम लोग एक कंडीशन में करीब दस मिनट रहे, टीना पूरी तरह से अपना आपा खो चुकी

थी, उसकी आँखों में लाल डोरे आराम से देखे जा सकते थे।
अब मैं टीना के ऊपर से उठ चुका था और साइड में आकर लेट गया। तभी टीना ने अंगड़ाई ली और एक झटके में वो मेरी जांघों के बीच आ गई, टीना ने मेरी फ्रेंची धीरे से नीचे सरकाई और मेरे लंड के साथ खेलने लगी।

मुझे हल्का सा दर्द महसूस होने लगा था क्योंकि लंड इतना अकड़ चुका था कि अगर उसे वो थोड़ा ऊपर नीचे सहला रही थी तो दर्द हो रहा था।
एक पल में टीना ने मेरा लंड अपने लबों पे लगा लिया और आइस क्रीम की तरह उसे चूसने लगी।
मैं अब सातवें आसमान पर था, अब हम दोनों एकदम नंगे बेड पे पड़े थे और प्यार का मज़ा ले रहे थे। मुझे लगा कि अगर इसने अगर 5-7 मिनट और मेरा लंड चूसा तो मैं मुँह में ही झड़ जाऊँगा।
मैंने टीना को एक इशारा किया कि अब नहीं…
वो उस टाइम कुछ और ही सोच रही थी, पर जल्दी ही उसने मेरी बात को समझ लिया और वो सीधे मेरे ऊपर आ गई।
अब टीना के बूब्स मेरी छाती से रगड़ मार रहे थे, हम लोगों के होंट एक दूसरे के साथ ऐसे जकड़े हुए थे जैसे मानो एक दूसरे से चिपक गये हों।

तभी टीना का एक हाथ नीचे गया और उसने मेरा लंड पकड़ कर अपनी चूत के रास्ते पे रखा और हल्का था धक्का मारा, लंड फिसल गया।
अब बारी मेरी थी, मैंने उसे टाँगे फ़ैलाने के लिए इशारा किया और अपना लंड उसकी चूत के मुहाने पे रखा और एक धक्का लगाया, वो चिंहुक उठी, मेरा आधा लंड उसकी चूत में जा चुका था वो हिल नहीं पा रही थी, शायद उसने 2-4 बार ही सेक्स किया होगा।

टीना का चेहरा लाल पड़ चुका था पर उसकी आँखों की वासना टूट टूट कर यह कह रही

थी कि उसे पूरा अंदर चाहिए, मैंने एक धक्का और मारा और मेरा पूरा लंड अब टीना की चूत में था, धक्कों का सिलसिला शुरु हो चुका था और अब मैं और टीना आनन्द के सातवें आसमान में उड़ रहे थे, कमरे से केवल कशिश भरी आवाज़ें आ रही थी और टीना मेरा पूरा साथ दे रही थी, वो मेरे ऊपर थी और वो थोड़ा थकने लगी थी।

अब बारी मेरी थी, मैंने बिना लंड बाहर निकाले टीना को नीचे लिया और बहुत तेज़ी से धक्के मारने लगा, पता नहीं बियर का असर था या प्यार का, मेरा निकलने को तैयार ही नहीं था।

इस बीच टीना का शरीर अकड़ने लगा और उसने मुझे कस के अपने सीने से लगा लिया, वो झड़ चुकी थी और शांत हो गई पर मैं अभी अधूरा था, मेरे आँखों ने टीना से पूछा कि क्या किया जाए तो उसने फिर से अपनी कमर हिलाना शुरु कर दिया और फिर से कमरा हम दोनों की आवाज़ों से गूंजने लगा।

मुझे अब लग रहा था कि अगर ऐसे ही धक्के लगाता रहा तो आज पूरी रात निकल जाएगी पर मेरा निकलेगा ही नहीं, मैंने टीना की दोनों टाँगें अपने कंधे पे रखी और तेज़ी से धक्के मारना शुरु कर दिया, वो मेरा चेहरा देख रही थी और मेरे सीने पे हाथ फेर रही थी। अब मुझे लगने लगा कि मेरा थोड़ी देर में होने वाला है, मैंने हांफते हुए टीना से पूछा- मैं आने वाला हूँ, कहाँ निकालूँ ?
उसने केवल इशारा किया कि अंदर ही डाल दो।

एक बहुत तेज पिचकारी के साथ मैं टीना की चूत में झड़ गया। हम दोनों एसी में भी पसीने पसीने हो गये थे, हम लोग एक दूसरे से चिपके ऊपर ना जाने कितनी देर पड़े रहे, कुछ पता नहीं चला, बस एक दूसरे के दिल की धड़कन सुनते रहे।

फिर टीना ने मुझसे पूछा कि क्या मैं उसे बाहों में उठा कर वॉशरूम में ले चलूँगा ?

मैंने कुछ ना बोलते हुए टीना को अपनी बाहों में उठाया और वॉशरूम की तरफ ले गया, हम दोनों ने काफ़ी देर तक शावर लिया।

दोस्तो, उस रात बहुत सारी बातें और हुई पर सारी बातें में केवल एक कहानी में नहीं लिख सकता हूँ।

काफ़ी देर के बाद टीना की सहेली भी घर आई, वो सारी बातें अगली कहानी में…
पर वो कहानी तब आपके पास पहुँचेगी जब आप मुझे अपनी राय मेरे नीचे दिए गये मेल आई डी पर भेजेंगे।
कहानी पढ़ने लिए लिए आपका शुक्रिया, मुझे आपके मेल्स का इंतजार रहेगा!
mailfortuktuk@gmail.com

Other stories you may be interested in

हवसनामा : सुलगती चूत-4

दोस्तो, मैं पारुल … मैंने अपनी कहानी के पिछले हिस्से में बताया था कि किस तरह मैंने जुगाड़ बना कर दो लोगों से एकसाथ बेहद आक्रामक संभोग किया था लेकिन फिर रघु मुलुक(देश, गाँव, मुल्क) चला गया था तो मैं […]
Full Story >>>

पड़ोसन भाभी ने गर्लफ्रेंड बन कर चूत दी

यह मेरी पहली कहानी है साथियो, इसलिए कहानी में कोई गलती दिखे तो मैं पहले ही आप सभी भाभी, चाची, दीदी, साली लोगों से माफ़ी माँगता हूँ. मेरा नाम शुभम है, मैं गिरिडीह का रहने वाला हूँ. मैं दिखने में […]
Full Story >>>

हैडमास्टर और स्कूल टीचर का सेक्स

नमस्कार दोस्तो, आज मैं अपनी जीवन से जुड़े कुछ हसीन लम्हों को आपके साथ बाँटने जा रहा हूँ. मेरी उम्र 56 वर्ष है. मैं 5 फ़ीट 8 इंच का हूँ. मेरा वजन लगभग 120 किलो का है. मैं काफी हट्टा […]
Full Story >>>

लंड की प्यासी चूत गांड का मेला-1

मेरे प्रिय मित्रो, आपका अरमान आपके लिए अपनी पिछली कहानी ज़िम में तीन चूत और एक लंड से आगे की कहानी लेकर आया है. जैसा मैंने अपनी पुरानी कहानी में बताया था कि मैं एकता के साथ मुंबई आ गया. […]
Full Story >>>

चॉल वाली चुदक्कड़ भाभी की गंदी चुदाई

हैलो फ्रेंड्स ! मैं कई सालों से अंतर्वासना का नियमित पाठक हूँ. अंतर्वासना की हर कहानी अपने आप में सेक्सी होती है. इसलिए यह मेरी पसंदीदा साइट है. आज मैं आप सबको एक नई और सच्ची कहानी सुनाने जा रहा हूँ. […]
Full Story >>>